

भूपर्पटी स्त्री. (तत्.) पृथ्वी की ऊपरी परत।

भूपवर वि. (तत्.) राजाओं में श्रेष्ठ, श्रेष्ठ राजा, नृप श्रेष्ठ।

भूपाल पुं. (तत्.) राजा, नृप।

भूपाली स्त्री. (तत्.) वर्षा ऋतु में रात्रि के पहले पहर में गाई जाने वाली एक रागिनी।

भूपावली स्त्री. (तत्.) राजाओं का समूह, नृप-समूह, राजसमुदाय।

भूपुत्र पुं. (तत्.) पृथ्वी का पुत्र, मंगल (ग्रह)।

भूपुत्री स्त्री. (तत्.) पृथ्वी की पुत्री, सीता, जानकी।

भूपेन्द्र पुं. (तत्.) राजाओं में श्रेष्ठ, नृपश्रेष्ठ।

भूप्राख्यापन पुं. (तत्.) भूवि. धरती पर बालू या कंकड़ आदि यादृच्छिक तौर पर फेंक कर रेखाओं आकृतियों या पहले से स्थित कुछ बिंदुओं के अध्ययन से भावी अथवा भूत की संभावनाओं या घटनाओं का अध्ययन। geomancy

भूबद्ध वि. (तत्.) चारों ओर स्थल से घिरा हुआ, सीमा पर कहीं भी समुद्र आदि न होने वाला (स्थान)।

भूभल स्त्री. (देश.) गरम रेत या धूल, गरम राख, ततूरी।

भूभाग पुं. (तत्.) जमीन का टुकड़ा, भूखंड, प्रदेश।

भूभागीय वि. (तत्.) 1. भूभाग से संबंधित, भू भाग का, धरती का 2. प्रादेशिक।

भूभार पुं. (तत्.) पृथ्वी पर भार लाक्ष. धरती पर होने वाले पापों का पृथ्वी पर बोझ।

भूभुरी स्त्री. (देश.) भूभल, गरम राख या गरम बालू, भूमला।

भूभृत् पुं. (तत्.) 1. पर्वत, पहाड़ 2. राजा 3. पद्य आदि में सात की संख्या।

भूभौतिकी स्त्री. (तत्.) भौ. भौतिकी की वह शाखा जिसमें पृथ्वी के गुणों, गतियों, आयु इत्यादि तथा पृथ्वी और उसके पर्यावरण में होने वाली घटनाओं और उनके आपसी संबंधों आदि का अध्ययन हो।

भूमंडल पुं. (तत्.) पृथ्वी, धरती।

भूमध्य रेखा स्त्री. (तत्.) एक कल्पित रेखा जो पृथ्वी को क्षैतिज रूप से दो बराबर भागों में बाँटती है, विषुवत् रेखा।

भूमध्य सागर पुं. (तत्.) यूरोपीय देशों और अफ्रीका के बीच जमीन से घिरी बहुत बड़ी झील।

भूमय वि. (तत्.) 1. मिट्टी का, मिट्टी से बना 2. मिट्टी से उत्पन्न 3. मिट्टी से युक्त।

भूमा वि. (तत्.) बहुत अधिक पुं. 1. अधिकता, विपुलता, प्रचुरता, विराट्ता 2. धन संपत्ति, ऐश्वर्य स्त्री. 3. पृथ्वी पुं. 4. समष्टि रूप परम तत्त्व, ब्रह्म या ब्रह्मशक्ति, परम शिव, ब्रह्म, ईश्वर, परमात्मा।

भूमानंद पुं. (तत्.) भूमा का आनंद, परमानंद, ब्रह्मानुभूति का आनंद।

भूमानचित्र पुं. (तत्.) ज्या. किसी भवन आदि की क्षैतिज योजना को ज्यामितीय आयामों में दिखाने वाला चित्र या नक्शा।

भूमि स्त्री. (तत्.) 1. पृथ्वी, जमीन, पृथ्वी का ऊपरी भाग जिस पर पर्वत नदियाँ, आदि हैं और बसते हैं, धरती, देश जमीन का कोई भाग, क्षेत्र, भूखंड 2. स्थान, जगह, जड़, बुनियाद 3. खेती में प्रयुक्त जमीन, योग साधक के चित्त की विविध अवस्थाओं में 4. गोचर भूमि, चरागाह 5. किसी वस्तु के स्थित होने के लिए आधार 6. भवन की मंजिल या तल्ला 7. नींव।

भूमि-उच्च पुं. (तत्.) चंद्रमा, नक्षत्र या कृत्रिम उपग्रह आदि का वह बिंदु जो पृथ्वी से अधिकतम दूरी पर हो। apogee

भूमिउपकर पुं. (तत्.) भूमि पर नियमित रूप से लगने वाला कर के अनुपात में लगने वाला अतिरिक्त महसूल।

भूमिकर पुं. (तत्.) शासन द्वारा उसके क्षेत्राधिकार में स्थित भूमि पर लगाया गया कर।

भूमिका स्त्री. (तत्.) 1. रचना, भेष बदलना 2. भूमि, पृथ्वी, जमीन 3. भवन का तल्ला, मंजिल 4. किसी वस्तु का आधार 5. चित्र, दृश्य पुस्तक आदि की पृष्ठ भूमि 6. अभिनय 7. प्रस्तावना,